

वशिव जनसंख्या दविस 2025 और भारत का युवा वर्ग

प्रलिमिस के लयि:

वशिव जनसंख्या दविस, जनसांख्यिकी लाभांश, राष्ट्रीय युवा नीतल 2014, स्टार्टअप इंडया, राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS), बेरोज़गारी, प्रधानमंत्री कौशल वकलस योजना ।

मेन्स के लयि:

भारत में युवा जनसंख्या से जुड़े अवसर और चुनौतयिँ तथा उन्हें सशक्त बनाने हेतु आवश्यक कदम ।

स्रोत: द हद्वि

चर्चा में क्यौं?

11 जुलाई को मनाया जाने वाला वशिव जनसंख्या दविस वर्ष 1989 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा स्थापतल कया गया था, जसलका उद्देश्य जनसंख्या से जुड़े मुद्दों और प्रजनन स्वास्थ्य अधिकारिँ के प्रतलजागरूकता बढ़ाना है ।

- वशिव जनसंख्या दविस 2025 की थीम है: "युवाओं को एक नषिपक्ष और उम्मीद भरी दुनयल में अपने मनचाहे परिवार बनाने के लयि सशक्त बनाना (Empowering young people to create the families they want in a fair and hopeful world)", जसलका उद्देश्य युवाओं को यौन तथा प्रजनन स्वास्थ्य से संबंधतल सूचतल नरिणय लेने में सक्षम बनाना है ।

भारत में युवाओं की स्थतलक्या है?

- युवा जनसंख्या प्रोफाइल: UNICEF के अनुसार, भारत में वशिव की सबसे बड़ी युवा जनसंख्या है, जसमें 15 से 29 वर्ष की आयु वर्ग के 371 मलियन लोग शामिल हैं ।
 - जनसंख्या प्रक्षेपण पर तकनीकी समूह (2021) के अनुसार, वर्ष 2021 में 15 से 29 वर्ष की आयु वाले युवा देश की कुल जनसंख्या का 27.2% थे, लेकिन अनुमान है कयलह अनुपात वर्ष 2036 तक घटकर 22.7% रह जाएगा ।
- जनसांख्यिकीय महत्त्व: युवाओं की बड़ी जनसंख्या श्रम शक्त में भागीदारी बढ़ाती है और नरिभरता अनुपात को कम करती है, जससे देश को जनसांख्यिकीय लाभांश (Demographic Dividend) प्राप्त होता है ।
- नीतल एवं शासन: युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अधीन युवा मामले वभाग युवाओं से संबंधतल नीतयिँ और कार्यक्रमों के लयि नोडल एजेंसी है ।
 - इसके दो उद्देश्य हैं - वयक्तत्व वकलस और राष्ट्र नरिमाण ।
- युवा नीतल वकलस:
 - राष्ट्रीय युवा नीतल, 1988: यह भारत की पहली संगठतल युवा नीतल थी, जसने युवाओं की राष्ट्र नरिमाण में भूमकल को रेखांकतल कयल और उनके वयक्तत्व तथा कौशल वकलस पर वशिष ध्यान दयल ।
 - राष्ट्रीय युवा नीतल 2003: यह नीतल वर्ष 1988 की नीतलका स्थान लेने के लयल लाई गई थी । इसमें युवाओं की आयु सीमा 13 से 35 वर्ष के रूप में परभाषतल की गई और इसका उद्देश्य था देशभक्तल, सामाजकल न्याय तथा राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देना ।
 - राष्ट्रीय युवा नीतल 2014: यह नीतल वर्ष 2003 की नीतलका स्थान लेने के लयल लाई गई थी । इसमें युवाओं की आयु सीमा 15 से 29 वर्ष नरिधारतल की गई है । इसका उद्देश्य युवाओं को इस प्रकार सशक्त बनाना है कयलै अपनी पूर्ण क्षमताओं का वकलस कर सकें और भारत को वैश्वकल मंच पर अग्रणी बनाने में योगदान दे सकें । इस नीतलमें 5 प्रमुख उद्देश्य और 11 प्राथमकता वाले क्क्षेत्र नरिधारतल कयल गए हैं ।
 - राष्ट्रीय युवा नीतल 2024: सरकार ने राष्ट्रीय युवा नीतल (NYP) 2014 को अद्यतन कयल है और NYP 2024 के लयल एक मसौदा जारी कयल है, जसमें सतत् वकलस लक्ष्यों (SDG) के अनुरूप युवा वकलस के लयल 10-वर्षीय दृष्टकोग की रूपरेखा प्रसतुत की गई है । मुख्य वशिषताएँ इस प्रकार हैं:

राष्ट्रीय युवा नीति 2014

उत्पादक कार्यबल

भारत के आर्थिक विकास में योगदान करने के लिये कुशल कार्यबल का निर्माण करना।

सामाजिक मूल्य

राष्ट्र निर्माण के लिये सामुदायिक सेवा को प्रोत्साहित करते हुए सामाजिक मूल्यों को आत्मसात करना।

समर्थन

संकटग्रस्त और वंचित युवाओं के लिये समान अवसर प्रदान करना।



सशक्त पीढ़ी

भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिये सक्षम और स्वस्थ युवाओं का विकास करना।

भागीदारी

शासन के सभी स्तरों पर भागीदारी और नागरिक सहभागिता को बढ़ावा देना।

- वर्ष 2030 तक युवा विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिये एक स्पष्ट रोडमैप तैयार किया गया है।
- करियर और जीवन कौशल को बढ़ाने के लिये **राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020)** के साथ समन्वय किया गया है।
- नेतृत्व, स्वयंसेवा (वॉलंटियरिंग) और प्रौद्योगिकी-संचालित सशक्तीकरण को प्रोत्साहित किया गया है।
- मानसिक और प्रजनन स्वास्थ्य, खेल तथा फिटनेस पर विशेष जोर दिया गया है।
- हाशिये पर मौजूद युवाओं के लिये सुरक्षा, न्याय और सहायता सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई है।

भारत की युवा जनसंख्या क्या अवसर प्रस्तुत करती है?

- जनसांख्यिकीय लाभांश का लाभ:** युवाओं की बहुलता वाली जनसंख्या से **नरिभरता अनुपात घटता है** और आर्थिक रूप से सक्रिय नागरिकों की संख्या बढ़ती है, जिससे **GDP तथा प्रतिव्यक्ति आय** में वृद्धि संभव होती है।
 - वशिव बैंक** और **नीतिआयोग** के अनुसार, यदि इस संभावना का सही उपयोग किया जाए तो **वर्ष 2030 तक भारत की GDP में 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की बढ़ोतरी हो सकती है।**
- नवाचार और उद्यमिता:** युवा उद्यमियों की अगुवाई में भारत का **स्टार्टअप इकोसिस्टम** तेज़ी से विकसित हुआ है। **स्टार्टअप इंडिया** जैसी पहलों ने युवा-केंद्रित नवाचार संस्कृति को बढ़ावा दिया है।
- वैश्विक कार्यबल में बढ़त:** भारत की युवा श्रम शक्ति, तकनीक, स्वास्थ्य और इंजीनियरिंग क्षेत्रों में वैश्विक प्रतिभा की कमी को पूरा कर सकती है। कम श्रम लागत के चलते भारत उत्पादन और सेवा क्षेत्रों का वैश्विक केंद्र बनता जा रहा है।
 - उदाहरण के लिये, वृद्ध होती जनसंख्या की बढ़ती चुनौती का सामना कर रहे **जर्मनी और जापान** जैसे देश अब **कुशल श्रमिकों की कमी** को पूरा करने के लिये **भारत के युवाओं** की ओर रुख कर रहे हैं।
- सामाजिक एवं सांस्कृतिक प्रभाव:** भारतीय युवा पारंपरिक रूढ़ियों को चुनौती दे रहे हैं, **लैंगिक समानता को बढ़ावा** दे रहे हैं और **सामाजिक परिवर्तन** के अग्रदूत बन रहे हैं। साथ ही, वे **फिल्मों, संगीत और डिजिटल सामग्री** के माध्यम से वैश्विक स्तर पर **भारत की सॉफ्ट पावर** को भी वसितार दे रहे हैं।
 - उदाहरण के लिये, **पजिरा तोड़ (Pinjra Tod)** जैसे युवा-नेतृत्व वाले आंदोलन महिलाओं के अधिकारों और स्वतंत्रता के लिये संघर्ष कर रहे हैं।
- लोकतंत्र को सशक्त बनाना:** **राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS)** जैसी पहलों के माध्यम से युवाओं को शामिल करना **नागरिक जागरूकता, नेतृत्व क्षमता और लोकतांत्रिक जवाबदेही** को मज़बूत करता है।
 - उदाहरण के लिये, **स्वच्छ भारत अभियान** के माध्यम से प्रधानमंत्री ने युवाओं को **स्वच्छता, व्यवहार परिवर्तन और सामुदायिक नेतृत्व** के प्रमुख प्रेरक शक्ति के रूप में संगठित किया।

भारत में युवाओं के सामने प्रमुख चुनौतियाँ क्या हैं?

- **यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य** से जुड़ी समस्याएँ: भारत में अनचाहे गर्भधारण (36%) और अपूरण प्रजनन लक्ष्यों (30%) की उच्च दर है, जिसमें 23% महिलाएँ दोनों समस्याओं से पीड़ित हैं।
 - हालाँकि बाल विवाह में कमी आई है, फरि भी यह **NFHS-5** के अनुसार राष्ट्रीय स्तर पर 23.3% है।
- **लैंगिक असमानता**: पवित्रसत्तात्मक सामाजिक मान्यताएँ युवा महिलाओं की शिक्षा, रोज़गार और नरिणय लेने की स्वतंत्रता को सीमति करती हैं। कई महिलाएँ लैंगिक-संवेदनशील कार्यस्थल, कौशल प्रशिक्षण और आर्थिक आत्मनरिभरता से वंचति रहती हैं।
- **मानसकि स्वास्थय संकट**: युवा वर्ग बढ़ते तनाव, दुश्चतिता तथा अवसाद के साथ-साथ सहायता की पहुँच सीमति और नरितर कलंक के कारण **मानसकि स्वास्थय संकट** का सामना कर रहा है।
- **वर्ष 2020-22 के बीच भारत में 15-29 वर्ष की आयु के 60,700 से अधिक युवाओं की आत्महत्या से मृत्यु हुई, जो वशि्व में सबसे अधिक है।**
- **रोज़गार संकट**: शिक्षा और नौकरी के बीच कौशल का अंतर बढ़ता जा रहा है, जिससे शक्तिषति युवाओं में **बेरोज़गारी** बढ़ रही है। कई युवा मज़बूरी में **गणि इकोनोमी** की असुथरि नौकरयिों में कार्य कर रहे हैं, जनिमें **लाभ और सुरक्षा की कमी** होती है।
- **मादक द्रव्यों का सेवन**: युवा वर्ग साथयिों के दबाव और तनाव के कारण **नशीले पदार्थों की लत** के प्रततिअधिक संवेदनशील हो रहा है तथा परयापत पुनरवास सुवधिओं की कमी के कारण यह समस्या और भी बदतर हो रही है।

- राष्ट्रीय युवा नीति-2014
- प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना
- युवा: युवा लेखकों को मार्गदर्शन देने के लिये प्रधानमंत्री की योजना
- पीएम-दक्ष (प्रधानमंत्री दक्षता और कुशलता संपन्न हतिग्राही)
- प्रधानमंत्री मदरा योजना

- **शिक्षा में क्रांति:** राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत रटकर याद करने की प्रणाली को बदलकर **आलोचनात्मक सोच, रचनात्मकता और समस्या-समाधान क्षमता** को बढ़ावा देना, डिजिटल साक्षरता सुनिश्चित करना तथा व्यावसायिक प्रशिक्षण (Vocational Training) को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करना है।
- **रोज़गार से जुड़ा कौशल विकास:** प्रधानमंत्री राष्ट्रीय प्रशिक्षण संवर्द्धन योजना (PM-NAPS) के अंतर्गत बड़ी कंपनियों में शक्तिशाली अवसरों को प्रोत्साहित करना, उभरते क्षेत्रों में **कौशल उन्नयन मशिन** शुरू करना और वित्तीय सहायता के माध्यम से **युवा उद्यमिता** को बढ़ावा देना।
- **स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच:** सुलभ मानसिक स्वास्थ्य सहायता स्थापित करना, पौष्टिक भोजन के माध्यम से पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा ग्रामीण क्षेत्रों में **नशिल्क गर्भनरोधकों** के साथ **प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं** को बढ़ाना।
- **खेल और कला क्षेत्र में अवसरचना विकास:** ग्रामीण प्रशिक्षण सुविधाओं को मज़बूत करके, **युवा कलाकारों** को वित्तीय सहायता प्रदान करके और प्रतभाषाली युवाओं के लिये **अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों** को बढ़ावा देकर **खेल एवं कला अवसरचना** का विस्तार करना।
- **डिजिटल सशक्तीकरण:** इंटरनेट पहुँच का विस्तार करके, **युवाओं में डिजिटल कौशल का निर्माण** करके और समावेशी डिजिटल विकास के लिये **डिजिटल इंडिया** को मज़बूत करके **डिजिटल विभाजन** को कम करना।

भारत का युवा वर्ग विश्व में सबसे बड़ा है और परिवर्तनकारी **जनसांख्यिकीय लाभ** प्रदान करता है। इस संभावनाओं का पूरा लाभ उठाने के लिये भारत को बेरोज़गारी, मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं और लैंगिक असमानता जैसी चुनौतियों का समाधान करना होगा, साथ ही **शिक्षा, कौशल एवं नवाचार** को भी बढ़ावा देना होगा। **रणनीतिक नीतियों और समावेशी विकास** युवाओं को सशक्त बना सकते हैं, जिससे वे भारत की वैश्विक प्रगतिके अग्रदूत बन सकें तथा **सतत विकास एवं समान प्रगति** सुनिश्चित हो सकें।

प्रश्न: भारत के युवाओं को अपनी पूरी क्षमता का उपयोग करने में आने वाली चुनौतियों पर चर्चा कीजिये। इन चुनौतियों को अवसरों में बदलने के उपाय सुझाइए।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वरष के परशान (PYQ)

????????

परश्न: परचछन्न बेरोज़गारी का आमतौर पर अर्थ होता है- (2013)

- (a) बड़ी संख्या में लोग बेरोज़गार रहते हैं
- (b) वैकल्पिक रोज़गार उपलब्ध नहीं है
- (c) श्रम की सीमांत उत्पादकता शून्य है
- (d) श्रमिकों की उत्पादकता कम है

उत्तर: (c)

?????

प्रश्न: भारत में सबसे ज्यादा बेरोज़गारी प्रकृति में संरचनात्मक है। भारत में बेरोज़गारी की गणना के लिये अपनाई गई पद्धतियों का परीक्षण कीजिये और सुधार के सुझाव दीजिये। (2023)

प्रश्न. हाल के समय में भारत में आर्थिक संवृद्धि की प्रकृति का वर्णन अक्सर नौकरीहीन संवृद्धि के तौर पर किया जाता है। क्या आप इस विचार से सहमत हैं? अपने उत्तर के समर्थन में तर्क प्रस्तुत कीजिये। (2015)

PDF Reference URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/world-population-day-2025-and-indias-youth>

